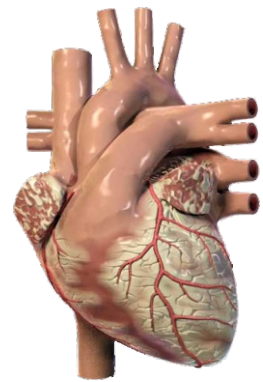


# हृदय और धड़कन

वर्ष-8, अंक-86, फरवरी 20, 2017

 **CIMS**  
Care Institute of Medical Sciences



Price Rs. 5/-

## कार्डियोलॉजिस्ट

|                   |                 |
|-------------------|-----------------|
| डॉ. सत्य गुप्ता   | +91-99250 45780 |
| डॉ. विनीत सांखला  | +91-99250 15056 |
| डॉ. विपुल कपूर    | +91-98240 99848 |
| डॉ. तेजस वी. पटेल | +91-89403 05130 |
| डॉ. गुणवंत पटेल   | +91-98240 61266 |
| डॉ. केयूर परीख    | +91-98250 66664 |
| डॉ. मिलन चग       | +91-98240 22107 |
| डॉ. उर्मिल शाह    | +91-98250 66939 |
| डॉ. हेमांग बक्षी  | +91-98250 30111 |
| डॉ. अनिश चंदाराणा | +91-98250 96922 |
| डॉ. अजय नाईक      | +91-98250 82666 |

## कार्डियक सर्जन

|               |                 |
|---------------|-----------------|
| डॉ. मनन देसाई | +91-96385 96669 |
| डॉ. धीरेन शाह | +91-98255 75933 |
| डॉ. धवल नायक  | +91-90991 11133 |

## पिडियाट्रिक और स्ट्रुक्चरल हार्ट सर्जन

|              |                 |
|--------------|-----------------|
| डॉ. शौनक शाह | +91-98250 44502 |
|--------------|-----------------|

## कार्डियोवास्कुलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

|                |                 |
|----------------|-----------------|
| डॉ. प्रणव मोदी | +91-99240 84700 |
|----------------|-----------------|

## कार्डियक एनेस्थेसिस्ट

|                   |                 |
|-------------------|-----------------|
| डॉ. चितन शेट      | +91-91732 04454 |
| डॉ. निरेन भावसार  | +91-98795 71917 |
| डॉ. हिरेन धोलकिया | +91-95863 75818 |

## पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

|                       |                 |
|-----------------------|-----------------|
| डॉ. कश्यप शेट         | +91-99246 12288 |
| डॉ. दिव्येश सादडीवाला | +91-82383 39980 |
| डॉ. मिलन चग           | +91-98240 22107 |

## निओनेटोलोजीस्ट और

## पिडियाट्रिक इन्टेन्सिवीस्ट

|                  |                 |
|------------------|-----------------|
| डॉ. अमित चितलीया | +91-90999 87400 |
| डॉ. स्नेहल पटेल  | +91-99981 49794 |

## कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

|                  |                 |
|------------------|-----------------|
| डॉ. अजय नाईक     | +91-98250 82666 |
| डॉ. विनीत सांखला | +91-99250 15056 |

## डिजिटलिस

### क्या है?

कई दवाओं के स्रोत पेड़- पौधे होते हैं। सामान्य फोकस ग्लोव प्लान्ट, डिजिटलिस परपुरिया का उपयोग सन १७८५ से हृदयरोग के निवारण के लिए होता आया है। सर्वप्रथम इस पौधे की पत्तियों को पीस कर उसका पावडर बनाकर उसका उपयोग हार्टफेल्योर (कमजोर हृदय) के लिए होता था।

### किस प्रकार कार्य करता है?

डिजिटलिस शरीर के अतिरिक्त प्रवाह को साफ कर श्वसन क्रिया को अधिक सरल बनाता है। इसीसे यह हृदय के कार्य को भी सरल बनाता है। यह दिन में एक बार लिया जाता है और इसकी कीमत भी कम होती है। हृदय के मासपेशियाँ जब निश्चित मात्रा में रक्त को शरीर में पम्प नहीं करते हैं तो हार्टफेल्योर होता है। डिजिटलिस हृदय के हर

स्नायु की संकुचन क्रिया को ज्यादा मजबूत बनाता है। डिजिटलिस हृदय की धड़कनों की रफ्तार को कम भी कर सकता है।

### किस तरह उपयोग किया जाता है?

डिजिटलिस मूँह के या नस के द्वारा दिया जा सकता है। अति शीघ्र परिणामों के लिए इसे नसों के द्वारा दिया जाता है। डिजिटलिस अधिकतर गोली के रूप में लिया जाता है।

### डॉक्टर से सम्पर्क कब करना चाहिए?

निम्नलिखित लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर का सम्पर्क करना चाहिए

- रोगी के दिल की धड़कनें बहुत धीरे चलें
- रोगी के दिल की धड़कनें अधिक जान पड़े
- उबकाई आये। अपच अथवा कमजोरी महसूस हो, तो डॉक्टर का सम्पर्क करें



## वासोडायलेटर

### वासोडायलेटर क्या है?

वासोडायलेटर रक्तवाहिनियों की दीवार को चौड़ा कर उसके स्नायुओं को आराम देने वाली दवा है। यह रक्त के प्रवहन को सरल बनाता है। वासोडायलेटर सामान्यतया उच्च रक्तचाप की अन्य दवाओं के साथ में दी जाती है। यह दवाएं अकेली बहुत कम उपयोग में ली जाती हैं।

### कब उपयोग में ली जाती है?

वासोडायलेटर सामान्यतया उच्च रक्तचाप को काबू में रखने के लिए ली जाती है। उच्च रक्तचाप हृदय के काम को अधिक जटिल बना देता है और रक्तवाहिनियों को कमजोर कर सकता है, और समय के साथ स्थायी नुकसान हो सकता है। अगर उच्च रक्तचाप का इलाज नह हो तो हृदयरोग का हमला होने का, हृदय बंद पड़ जाने का या किडनी को



'डॉक्टर साहब मैं सारे दिन काफी कमजोरी व थकान महसूस करता हूं।' एक रोगी ने शिकायत की, 'मैं हमेशा खोया-खोया रहता हूं मुझे आप कुछ ऐसा दें जिससे मैं थोड़ा चपल और सक्रिय हो जाऊं।' 'जरूर मैं तुम्हें अपना बिल भेज देता हूं।'



वासोडायलेटर एक ऐसी दवा है जो धमनी को चौड़ी कर उसमें से अधिक रक्त के प्रसार में मदद करती है।



वासोडायलेटर की धमनी पर असर

नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। कितने ही वासोडायलेटर एन्जायना (angina) या रक्त की बंद धमनियों के कारण होने वाले दर्द को कम करने में मदद करता है। वासोडायलेटर दवाएं हार्टफेल्योर (Heart failure) वाले रोगियों के लिए बहुत उपयोगी है।

### किस प्रकार कार्य करता है?

वासोडायलेटर सामान्यतया रक्त वाहिनियों (Blood vessels) को चौड़ी करता है। इस तरह यह उच्च रक्तचाप को कम करके अधिक रक्त के वहन को सुनिश्चित कर, यह दवाएं हृदय के कार्यभार को हलका करती हैं। 'एन्जियोटेन्सीन कनवर्टिंग एन्जाइम इनहीबीटर' एक प्रकार का वासोडायलेटर है। ये 'ए.सी.इ. इनहीबीटर' के नाम से जाने जाते हैं।



एक डॉक्टर एक मरीज के घर विजिट पर गया। जांच के बाद डॉक्टर ने रोगी की पत्नी को साइड में बुलाकर कहा, 'आपके पति बीमार नहीं हैं, उन्हें वास्तव में बीमारी का वहम है।' कुछ समय बाद डॉक्टर ने हाल पूछने के लिए फोन किया।

'अब तो इनकी बीमारी बढ़ गई है डॉक्टर।' रोगी की पत्नी ने कहा, 'अब तो इनको लगता है कि वे मर गए हैं।'



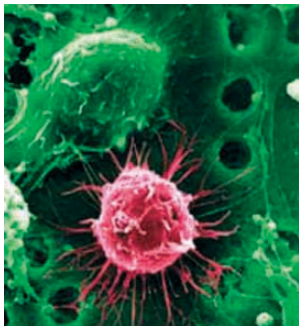
### मैं स्वयं की देखभाल किस तरह कर सकता हूं?

उच्च रक्तचाप वाले रोगी कई बार अच्छा 'फील' करते हैं। किन्तु सब कुछ सामान्य है ऐसा अनुभव होता हो तो भी अपने डॉक्टर की मुलाकात बंद ना करें और दवा का नियमित सेवन करते रहें। आपकी ली हुई दवा सही ढंग से कार्य कर रही है और उसका कोई बुरा प्रभाव नहीं है, यह अपने डॉक्टर को तय करने दें।



## स्टेम सेल्स, संजीवनी बूटी

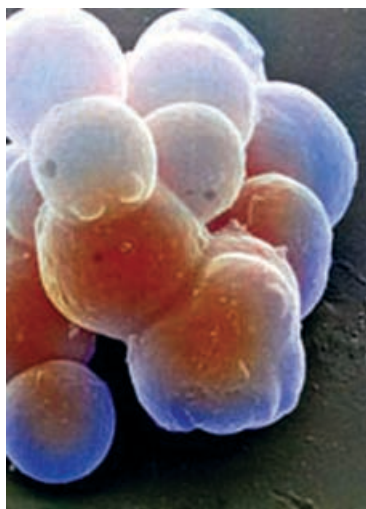
अपनी पौराणिक कहानियों में मृत्यु के पश्चात या गंभीर चोटों के बाद मनुष्य को जीवित करने के उदाहरण मिलते हैं। भगवान रामचंद्र के लाडले भाई लक्ष्मणजी लंका में रावण की सेना से लड़ते हुए गंभीर रूप से घायल हुए, तब लंका से एक वैद्य को बुलाया गया था। इस वैद्य ने हिमालय पर्वत से एक खास जड़ी बूटी मंगाई थी। भगवान रामचंद्रजी के सेवक हनुमानजी उस जड़ी-बूटी का पूरा पहाड़ उठा लाए थे, और लक्ष्मणजी का इलाज हुआ था।



आधुनिक दुनिया में भी ऐसा ही कुछ खोजा जा रहा है।

### हार्ट अटैक के बाद

जैसा हमने देखा कि हार्ट अटैक हृदय के स्नायुओं को रक्त मिलना बंद होने से होता है। जब हृदय के किसी स्नायु को रक्त नहीं मिलता है जब वह स्नायु मृत हो जाती है, स्वयं का काम नहीं कर सकती है और वह अधिक खराब हो सकती है और वह आसपास



की तंदरुस्त कोषों के लिए अड़चन बन सकती हैं। हृदयरोग के हमले के बाद हृदय को नुकसान हो ऐसे कोषों को इन्फार्क्ट कहा जाता है।

यह इन्फार्क्ट हृदय को धड़कने नहीं देते हैं, और हृदय के विद्युतप्रवाह का मार्ग बदल देती हैं। ऐसा रोगी हृदय जितना करना चाहिए उससे कम रक्त धकेलता है। इकोकार्डियोग्राफी

की जांच में बहुत कम इजेक्शन फ्रेक्शन (हृदय की कार्यक्षमता के पम्पिंग का परिणाम) बताता है।

ऐसे हृदय से रोगी जी तो सकता है पर उसको बहुत कमजोरी

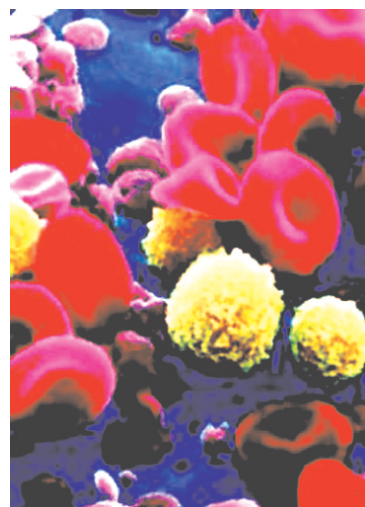
आती है, थोड़ा काम करके थक जाए और सांस भी फूल जाता है।

हार्ट अटैक के बाद अगर रोगी का इलाज ठीक तरह नहीं हुआ हो तो रोगी को हमेशा के लिए हृदय की पेशियों में नुकसान / कमजोरी रह जाती है।

ऐसे केस में स्टेम सेल्स यानि कि हमारे शरीर में पाये जाने वाले कुछ खास प्रकार के रक्त कण संजीवनी की तरह मृत पेशी को कार्यक्षम बनाते हैं।

### स्टेम सेल मतलब क्या?

स्टेम सेल शरीर में एक खास प्रकार का कोष है, जिनका विभाजन होकर उससे हृदय के नये कोष बन सकते हैं। ये स्टेम सेल्स से अन्य अंगों के कोष भी बन सकते हैं। इसलिए स्टेम सेल्स हार्ट अटैक व अन्य रोग के रोगियों के लिए भविष्य में संजीवनी की तरह सिद्ध हो सकते हैं।



### कहां पाए जाते हैं?

स्टेम सेल सामान्य रूप से बोन मेरो (अस्थिमज्जा- हड्डियों के अंदर बीच का गूदा) में मिलता है। इसके अलावा चरबी कोष, स्नायु कोष व गर्भ की नाल में भी स्टेम सेल्स पाये जाते हैं।

अब तो विदेश की कुछ कम्पनियां नये बालक का जन्म होने पर उसकी गर्भ नाल (Umbilical Cord) में से स्टेम सेल्स निकाल कर उसको संभालने की जिम्मेदारी लेने लगी हैं। यह स्टेम सेल्स उस बच्चे को खुद को तथा उसके माता-पिता, और भाई-बहनों के लिए भविष्य में किसी भी गंभीर बीमारी का इलाज करने के लिए उपयोगी हो सकती है।



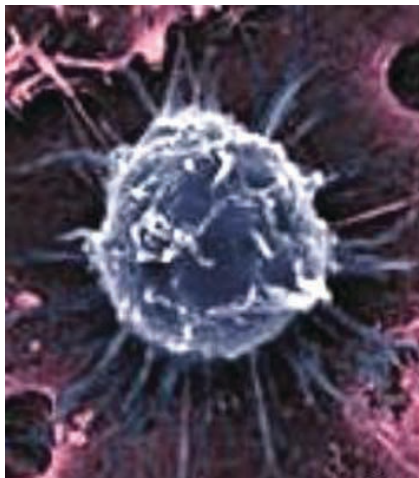
## स्टेम सेल की विशेषता

स्टेम सेल में दो खास बातें होती हैं .....

- यह सामान्य स्वरूप के होते हैं यानि कि यह किसी भी अंग की खास पेशी की तरह किसी खास आकार या कोई खास काम नहीं करती और वह चाहे जितनी बार विभाजित हो सकती हैं।
- निश्चित स्थिति में इनका विभाजन होकर विशिष्ट प्रकार के कोषों का निर्माण होता है, जैसे हृदय के कोष, स्वादपिंड के कोष।

## स्टेम सेल का हृदयरोग में उपयोग

सामान्य रूप से हृदय के कोषों का जन्म के बाद विभाजन नहीं होता। इसलिए किसी भी प्रकार की चोट लगने पर वह कायमी चोट बनती है और समय के साथ हृदय धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है और अंत में हार्ट फेल्योर हो सकता है।



हार्ट अटैक के अब तक के इलाज में हृदय के चोट पाए हुए

कोष व मृत कोष के हिसाब से उसके आस पास के कोष भी रोगग्रस्त हो सकते हैं और हृदय का अधिक से अधिक भाग निष्क्रिय बन सकता है।

ऐसे समय में रोगग्रस्त कोषों को स्टेम सेल देकर उन्हें पुनः कार्यरत करने में विशेषज्ञों को सफलता मिली है। इस पर दुनिया भर में बहुत सी जगहों पर संशोधन चल रहे हैं, और ऐसा लगता है कि निकट भविष्य में स्टेम सेल रख कर हृदय का खराब हुआ भाग फिर से कार्यक्षम बनाया जा सकेगा।

## स्टेम सेल किस तरह दिया जायेगा?

हाल में स्टेम सेल का उपयोग किस प्रकार करना है उस पर अनुसंधान जारी है। स्टेम सेल इन्जेक्शन के द्वारा या एन्जियोग्राफी की तरह जांघ की धमनी में कैथेटर डाल कर हृदय की कोरोनरी आर्टरी में भी दे सकते हैं। स्टेम सेल डालने का सबसे अच्छा रास्ता इन अनुसंधानों के निष्कर्षों के बाद पता चलेगा।

स्टेम सेल कब देना और कितना देना इस पर भी अनुसंधान चल रहे हैं।

भविष्य में ऐसा भी हो सकता है कि हार्ट अटैक के बाद स्टेम सेल का इलाज लेकर मरीज पहले से भी ज्यादा तेज दौड़े और अधिक काम करने की क्षमता प्राप्त कर ले।

**सौजन्य** 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख



**CIMS**  
**connect**

सीम्स होस्पिटल की तरफसे आपको नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिये एवं नये रसप्रद केसों की जानकारी के लिये हमारे साथ फेसबुक से जुड़े. आप सीम्स होस्पिटल की एप्लीकेशन एन्ड्रोइड, एपल (आईफोन) एवं विन्डोइज़ फोन में डाउनलोड कर सकते हो जिससे आपको स्वास्थ्य संबंधित उपयोगी मार्गदर्शन मिल सकेगा।





CIMS

# सीम्स अस्पताल

CIMS Hospital अहमदाबाद



आपका विश्वास... हमारी उपलब्धियाँ



## गुजरात का सर्व प्रथम हार्ट ट्रान्सप्लान्ट



- जरूरतमंद कैंसर मरीजों के लिए शुरू किया गया सीम्स खंभाता लाइनेक (रेडियोथेरेपी) सेन्टर
- थलेसीमिया मरीजों के लिए शुरू की गई पीडिआट्रीक बोनमरो ट्रान्सप्लान्ट की सुविधा
- बेहतर निरंतर सेवाओं के लिए स्थापित किया गया गुजरात का सर्व प्रथम डिजिटल आइसीयु (ICU) और ओपरेशन थियेटर
- अत्याधुनिक सीटी स्कैन और एमआरआई के साथ सबसे उच्चतम रेडियोलोजी सुविधाएँ - रीवोल्यूशन इवीओ (EVO) और सीगना सीरीस
- अल्ट्रा मोड्यूलर और फुल्ली मोनिटर्ड ईमरजन्सी और ट्रौमा सेवाएँ
- ब्लड बैंक

## सीम्स अस्पताल मल्टीस्पेश्यलिटी क्लिनक्स

सुबह 8 से शाम के 6 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

संपूर्ण और विश्वसनीय इलाज  
सीम्स ईमरजन्सी 24 x 7

|                                   |                                        |                                           |                                                 |                                    |                                        |
|-----------------------------------|----------------------------------------|-------------------------------------------|-------------------------------------------------|------------------------------------|----------------------------------------|
| कार्डियोलोजी क्लिनिक              | अंजीयोप्लास्टी और स्टेन्ट्स क्लिनिक    | कार्डियाक सर्जरी और बायपास सर्जरी क्लिनिक | मिनीमल इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (MICS) क्लिनिक | अंगीधमिया और हार्ट फेल्योर क्लिनिक | हार्ट ट्रान्सप्लान्ट क्लिनिक           |
| हार्ट फेल्योर क्लिनिक             | थोरासीक और वास्क्युलर क्लिनिक          | चेस्ट पेइन क्लिनिक                        | पीडियाट्रीक कार्डियोलोजी / कार्डियाक सर्जरी     | वाल्फ क्लिनिक                      | स्ट्रुक्चरल हार्ट डिस्क्रिप्शन क्लिनिक |
| वेडन क्लिनिक                      | स्ट्रोक क्लिनिक                        | क्रिकेटल केर                              | रेडियेशन ओन्कोलोजी                              | सर्जिकल ओन्कोलोजी                  | मेडिकल ओन्कोलोजी                       |
| न्यूरोसाइन्स और स्पाइन सर्जरी     | ट्रौमा                                 | जोइन्ट रीप्लेसमेंट                        | ओर्थोपेडिक / आर्थ्रोस्कोपी और स्पोर्ट्स मेडिसिन | पल्मोनोलोजी                        | निओनेटल/पीडियाट्रीक क्रिकेटल केर       |
| नेफ्रोलोजी और रीनल ट्रान्सप्लान्ट | गेस्ट्रोएन्ट्रोडोलोजी और जी.आइ. सर्जरी | ओबस्टेट्रीक, गायनेकोलोजी और आइवीएफ        | गुरोलोजी                                        | ओबेसीटी सर्जरी                     | लीवर सीरोशीस क्लिनिक                   |
| चेपी रोग क्लिनिक                  | अनेस्थेसीयोलोजी                        | डेंटिस्ट्री                               | अन्ड्रोक्राइनोलोजी                              | पेथोलोजी और माइक्रोबायोलोजी        | कान, नाक, गला क्लिनिक (इओएनटी)         |
| रेडियोलोजी                        | डर्मटोलोजी (चमडी का विभाग)             | इन्टर्नल मेडिसिन                          | ओथालमोलोजी                                      | र्यूमेटोलोजी                       | पीडियाट्रीक बोनमरो ट्रान्सप्लान्ट      |
| क्लिनिकल जीनेटीक्स                | पेइन क्लिनिक                           | केर अंड होम्स                             | प्रिवेन्टीव हेल्थकेर                            | रिहैबीलिटेशन और दुसरी अन्य सेवाएँ  |                                        |

गुजरातकी एक मात्र प्राइवेट अस्पताल जहाँ उपलब्ध है फुल्ली डिजीटलाइज़्ड आइसीयु (ICU) एवं ओटी  
१ एमआरआई (MRI) २ सीटी स्कैन (CT) और ३ कार्डियाक केथलेब

## सीम्स एक्सप्रेस

बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिये उसी दिन अपोइन्टमेंट

## क्या आपको आज ही अपोइन्टमेंट चाहिए ?

सीम्स में हम डॉक्टर\* की उसी दिन अपोइन्टमेंट का वादा करते हैं  
(अगर आप दोपहर 12.00 बजे से पहले फोन करो - सोमवार से शनिवार) अथवा दूसरे दिन की सुबह  
**+91-9825066661, +91-79-30101008/1200**  
\*जिस स्पेशलिटी टीम से संबंधित डॉक्टर उस दिन हाज़िर होंगे वे मरीज की जाँच करेंगे।

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाइन : +91-70 69 00 00 00

एम्बुलन्स और ईमरजन्सी : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234



सीम्स अस्पताल : शुक्रन मॉल के पास,  
ऑफ साइन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

www.facebook.com/cimshospitals (Follow our facebook page for daily medical updates in English, Hindi & Gujarati)

www.cims.org

CIMS Hospital India App on:

CIMS KHAMBATTA  
LINAC CENTRE



\*जरूरत पड़े मरीज को उचित दर में कैन्सर की रेडियोथेरेपी दी जायेगी



## सीम्स कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))

### सीम्स वुमन और चाइल्ड

लेकर आ रहा है सीम्स कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))



#### कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))

##### कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF))

पैकेजिस में समाविष्ट है

- फर्टिलिटी स्पेश्यालिस्ट कन्सल्टेशन
- कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) फर्टिलिटी और स्पेश्यालिस्ट प्रोसिजर्स
- उच्च गुणवत्तायुक्त दवाइयाँ
- दर्दी एवं परिवार का जरूरी सहयोग
- सायकोलोजिकल एवं जिनेटिक्स काउंसलिंग
- योग क्लासिस

■ सहायक गर्भधारण - इंटरयूटेराइन इन्सेमिनेशन (आइ.यू.आइ), कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) एवं इंटरसाइटोप्लास्मिक स्पर्म इंजेक्शन (इक्सी)

- पुरुष एवं स्त्री वन्ध्यत्व की सारवार
- क्रायोप्रिजर्वेशन
- फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रान्सफर
- असिस्टेड हेचिंग

#### गायनेकोलोजी और वुमन हेल्थ

- ओब्स्टेट्रीशियन विशेषज्ञ टीम की निरंतर देखरेख (24 x 7) वाला हाई रिस्क प्रेगनेंसी युनिट
- फिटल मेडीसीन
- गायनेक एंडोलसेंट क्लिनिक एवं मार्गदर्शन
- मेनोरेजिया क्लिनिक एवं गायनेक केन्सरकी तपास
- मेनोपोज क्लिनिक
- पेल्विक फ्लोर डिसफंक्शनकी सर्जरी (प्रोलेप्स)
- लेप्रोस्कोपिक एवं हिस्ट्रोस्कोपीक सर्जरियां
- गर्भनिरोध एवं परिवार नियोजन
- व्हाइट डिस्चार्ज (ल्यूकोरिया) की सारवार

पहला कृत्रिम परिवेशी निषेचन (आइ.वी.एफ (IVF)) कन्सल्टेशन फ्री

अप्रैल 30, 2017 तक  
सिर्फ अपोइंटमेंट पर ही

\*शरतें लागू

आपके सवालोंने के जवाब गोपनीय रखे जायेंगे।

आपका नाम और फोन नंबर निचे दर्शाए नंबर पर भेजे

+91-9099 509 599

हमारी टीमके सदस्य आपके साथ संपर्क करेंगे

सुबह 8:00 से शाम 8:00 तक



#### स्त्री संबंधी कैंसर

- स्तन संरक्षण थेरेपी के साथ स्तन कैंसर
- अंडाशय का कैंसर
- बच्चेदानी के मुखका कैंसर
- योनि का कैंसर
- केमोथेरापी एवं रेडियोथेरापी
- यूटेराइन / एंडोमेट्रियल कैंसर
- वालव्युलर कैंसर
- प्रायमरी पेरिटोनिल कैंसर (PPC)
- स्त्रियों के लिए कैंसर जांच



#### पीडियाट्रिक एवं निओनेटोलोजी

- गुजरात का पहला ऐसा पीडियाट्रिक एक्मो
- अत्याधुनिक पीडियाट्रिक सर्जरी एवं ओपरेशन के बाद की सेवाएं अके ही छत के निचे (हार्ट, ब्रेन, स्पाइन, ट्रौमा)
- निओनेटल लंग डिसऑर्डर के लिए फाइबर ओप्टिक ब्रेंचोस्कोपी
- इन हाउस ओब्स्टेट्रिक एवं लेवल III केर डेवलपमेन्ट फ्रेंडली निओनेटल इन्टेंसिव केर युनिट (NICU)
- चाइल्ड डेवलपमेन्ट सेंटर एवं हाई रिस्क न्यू बॉर्न फोलो अप केर



#### पीडियाट्रिक बॉन मेरो ट्रान्सप्लान्ट

पीडियाट्रिक थैलसीमिया के दर्दीओ के लिए ख़ास

जल्द ही शुरू

संकल्प फाऊंडेशन के सहयोग से

ब्लड ट्रान्सफ्यूजन थेरेपी को कम करने का हेतु



## ८२ वर्ष की उम्र में हृदयमें ड्रीलींग करके उसको २८ वर्षकी युवानकी तरह फिरसे धड़कन शुरू की



4 #dildilkikahani

नाम : श्रीमती मोहिनी लालचंद बेलानी

उम्र : ८२ वर्ष

स्थान : अहमदाबाद, भारत

८३ वर्षीय श्रीमती मोहिनीदेवी आनंदपूर्वक अपना जीवन पसार कर रहे थे। उसके हृदयकी तीनो कोरोनरी धमनीमें अतिगंभीर ब्लॉक थे, और उसमें खुब केल्शियम जम गया है ऐसा निदान हुआ। वह छ मास से सिने में दर्द और डाये हाथमें कमजोरी की तकलीफ महसूस कर रहे थे। उसके निवारण के लिये विशेषज्ञोंने बायपास सर्जरी करवाने की सलाह दी, परंतु यह एक अति जोखमी सर्जरी थी।

सीम्स कार्डियोलॉजीस्टकी अनुभवी टीमने मरीज़ के हृदय में केल्शियम जमा होने से कड़क हुई आर्टरी की सारवार करने के लिये रोटेशन अथेरेक्टेम की। माइक्रो ड्रीलींग से केल्शियम साफ करके वहां स्टेन्ट फीट कर दिया।

इसके परिणामस्वरूप वह जल्दी सवस्थ बनके दुसरे ही दिन अपने घर जा सके। ८२ वर्षकी श्रीमती मोहिनीदेवीने शारीरिक प्रतिकूलता के सामने लड़त देके रोमांच और पडकारो से भरी हुई जिंदगीको मनभर के जीना सीखा।

### सीम्स कार्डियाक केयर

- रोटेशनल अथेरेक्टेम प्रक्रियाके विशेषज्ञ
- भारतका एक श्रेष्ठ परफ्यूटेनीयस कार्डियाक इन्टरवेंशन केन्द्र
- भारत का एकमात्र “अमरिकन कॉलेज ओफ कार्डियोलॉजी (ए.सी.सी.) सेन्टर ऑफ एक्सलन्स” प्रमाणित केन्द्र



Care Institute of Medical Sciences  
Earning Trust with World-Class Practices

www.cims.org



अपॉइन्टमेंट्स : (L) +91 79 3010 1008, (M) +91 98250 66661, (E) opd.rec@cimshospital.org

अम्बुलन्स और इमरजन्सी : (M) +91 98244 50000 / 97234 50000 /

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाइन  
+91 70690 00000

सीम्स अस्पताल : शुक्रन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org

CIMS Hospital India App on:   



"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20<sup>th</sup> of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1<sup>st</sup> to 7<sup>th</sup> of every month under  
Postal Registration No. **GAMC-1730/2016-2018** issued by SSP Ahmedabad valid upto 31<sup>st</sup> December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-72

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स हॉस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेंट, सीम्स अस्पताल, शुक्रन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

## Care At Homes<sup>SM</sup>

home health @ your doorstep

सुरक्षित आरोग्यलाभ के लिये  
गुणवत्तायुक्त चिकित्सा देखभाल  
आपके अपने घर पर उपलब्ध

नर्सिंग और केरगीवर सेवाएँ  
फीड्थीयोथेरापी और रीहेबीलीटेशन सेवाएँ  
किराये पर मेडिकल उपकरण की सुविधाएँ

बीमारी, इन्जरी और रीहेबीलीटेशन के लिये  
व्यक्तिगत हेल्थकेर प्रोफेशनल्स अब आपके घर पर

Email: [info@careathomes.com](mailto:info@careathomes.com) Web: [www.careathomes.com](http://www.careathomes.com)

[facebook.com/careathomes](https://www.facebook.com/careathomes)

**24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन : +91-7069000000**

डीस्चार्ज के बाद के सेवा | केन्सर केर  
जीरीयाट्रीक केर | पीडियाट्रीक केर  
मेटरनीटी केर | वेक्सीनेशन | मेडीकल सप्लायर्स



बस एक कॉल करे  
**+91-90990 67988**  
अपनी आवश्यक देखभाल के लिए

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | [info@cims.org](mailto:info@cims.org) | [www.cims.org](http://www.cims.org)

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से  
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और  
सीम्स अस्पताल, शुक्रन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया ।